विज्ञान और मसीहियत शत्रू हैं या मित्र?

ठीक है, मै कुछ समय के लिए, आपका ध्यान आकर्षित
करना चाहता हूँ ।

मैंने कहा की हर सप्ताह हम अपने युग के
एक जाने-माने प्रश्न को लेकर, जो हमने यूहन्ना

रचित सुसमाचार से खोजा है उसके द्वारा,
उसका उत्तर देने की कोशिश करेंगे।

अच्छा, तो आज रात का बड़ा प्रश्न यह हैः

क्या विज्ञान और मसीहियत शत्रु हैं या मित्र?

अब, मैं यह नहीं जानता की इस प्रश्न के बारे में
आप क्या सोचते है,

पर मैं सोचता हूँ की जाने-माने स्तर पर ज्यादातर इसे
शत्रु कर के दर्शाया जाता है।

क्या आप को लगता है कि यह सही है?
मुझे लगता है कि यह सही है

मैं यह सोचता हूँ की ज्यादातर इन्हे शत्रु कर के दर्शाया
जाता है,

ज्यादातर हमसे यह ज़बरदस्ती की जाती है की हम इनमे
से किसी एक को चुनें, कोई कह सकता है,

'क्या आप विश्वास के व्यक्ति हैं
या आप विज्ञान के व्यक्ति हो?

क्या आपने मसीहियत को चुना हैं, या...?
आप कैसे कर सकते है...

आप एक वैज्ञानिक कैसे हो सकते हो
और आप एक मसीहि कैसे हो सकते हो?'

और अक्सर उन्हें
एक दूसरे के खिलाफ पेश किया जाता है,

ज्यादातर जाने-माने स्तर पर
और निश्चित रूप से, हाथ में हाथ दिए सड़क पर चलते हुए,

नज़दीकी दोस्त तो बिलकुल भी नहीं हें। ज्यादातर उन्हें
शत्रुओं की तरह दर्शाया जाता है।

© Lee McMunn, 2011

अब, मैं यह विश्वास नहीं करता,

और ऐसे बहुत सारे मसीही भी हैं
जो इसमें विश्वास नहीं करते,

वास्तव में बहुत से मसीही
विज्ञान और मसीहियत के बीच किसी

मतभेद को नहीं देखते।
तो मैंने सोचा, कुछ समय के लिए, मैं कोशिश करके

आपको समझाऊंगा की मैं क्यों नहीं सोचता
की असल मे वे शत्रु है,

क्यों मैं सोचता हूँ कि उन्हें नज़दीकी मित्र होना चाहिए।

और ऐसा करने के लिए, ज़रा मेरे साथ सोचें की आज
रात हमने यूहन्ना के पहले अध्याय

से क्या खोजा था।

हमने जो खोजा और जो हमें नहीं बताया गयाः
यह दो खास बातें है।

अब सोचे की हमें क्या बताया गया था। हमने खोजा की
हमें बनाया गया है।

हमें रचा गया है। इस के पीछे एक योजना
और एक उद्देश्य है।

अब ये विज्ञान के विरुद्ध मतभेद बिल्कुल
नहीं है, क्या है?

यह बताया जाना कि एक निर्माणकर्ता या रचनाकार है।

सच में, कई सारे वैज्ञानिक हमें यह बताते हैं

की इस विश्व में हमारे आसपास
एक रचनाकार के बहुत सारे मान चिन्ह है,

यदि आप देखेंगे तो पाएगें कि हमारे
आसपास की दुनिया, विश्व अकस्मात ही

नहीं बन गये पर इस में
इस के निर्माणकर्ता के मानचिन्ह है।

ऐसे कई वैज्ञानिक है जो यह कहते हैं।

© Lee McMunn, 2011

तो वास्तव में निर्मित वस्तु,
निर्माणकर्ता, रचनाकार और विज्ञान के

बीच कोई मत-भेद नहीं है।

परंतु सोचें की यूहन्ना के पहले अध्याय में
हमें क्या नहीं बताया गया था?

हमें यह नहीं बताया की अनंत वचन ने सारी चीज़ों
को कैसे निर्माण किया था।

हमें यह बताया गया की उसने यह किया था,

पर उस के कार्य के बारे में हमें कुछ भी नहीं बताया गया,
जो प्रश्न है 'कैसे'।

अगर आप बाइबल में देखेंगे, तो यह कहानी बार-बार
दोहराई गई है।

जो बाइबल आप देखते है,
वह कई सारे विभिन्न प्रश्नों में रुचि रखती है।

यह 'कौन' प्रश्न में और 'क्यों' प्रश्न में रुचि रखती है,

ना की 'कैसे' प्रश्न के बारे में।

वास्तव में बाइबल बहुत रुचि दिखाती है हमें यह
बताने के लिए कि रचनाकार कौन है

और आप और मैं यहाँ क्यों है, और हम कैसे
जीएँ और भविष्य के बारे में कैसे तैयारी करें।

पर यह एक वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तक नहीं है।

और अगर बाइबल को एक वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तक
की तरह लिया जाता है तो,

हम उन सारे प्रश्नों के उत्तर पाएँगे जो
बाइबल हमें नहीं देना चाहता है।

क्योंकि यह अलग प्रश्नों के उत्तर देता हैः जैसे
'कौन' और 'क्यों'।

अब, आपको समझाने की कोशिश के लिए, आप सामने
इस मेज़ पर एक सुंदर केक देखेंगे।

© Lee McMunn, 2011

अब, कुछ लोगों ने पूछा है, 'क्या यह सच मे है?'
हाँ यह बिलकुल सच है।

अब, यदि आप चाहें तो,
यहाँ बहुत सी चीजें हैं

जिनको लेकर आप प्रयास कर सकते है,
इस सुंदर केक को लेकर।

परंतु केवल कल्पना करें की इस केक के बारे में हमें
अधिक जानकारी चाहिए, अच्छा, अब मैं क्या करूँगा?

ठीक है, मैं इस केक को हमारे नज़दीकी माध्यमिक
पाठशाला में ले जा सकता हूँ,

और मैं इसे सारे विभिन्न विभागों में
ले जा सकता हूँ।

तो उदाहरण के लिए,
मै इसे रसायन शास्त्र के विभाग में ले जाकर

रसायन शास्त्र के छात्रों से कहूंगा की इस केक को देखकर
बताएं की इस में क्या है।

और निश्चित है कि वे मुझे दिलचस्प बातें बता सकते है।
एलेक्ट्रोन और प्रोटौन

और न्यूट्रोन -
संबंधित केक की सारी व्यवसथा के बारे में बताएँगे।

यह बहुत ही रोमांचक होगा, वे मुझे
बताएँगे की केक में क्या क्या चीज़ है।

अब मैं इस केक को उठा के भौतिक शास्त्र के
विभाग में ले जा सकता हूँ।

और भौतिक शास्त्र विभाग कहेगा, 'तो, अच्छा, उन्होंने
सिर्फ आपको बड़ी चीज़ों के बारे में बताया।

आइए छोटी चीज़ों को भी देखें।
आओ हम क्वार्कों और ऐसी चीज़ों के बारे में बातें करें।'

'अति उत्तेजक, बहुत धन्यवाद', हम कहेंगे,
'आप ने हमें इस केक के बारे में बहुत कुछ बताया'।'

© Lee McMunn, 2011

अब हम इस केक को
गणित के विभाग में ले जा सकते हैं,

और वे हमें क्या बताएँगे?
अच्छा, तो वे

सारी नापने वाली चीज़ों को निकालेंगे,
वे गोलाक्रुति को देखेंगे,

और वे बोर्ड पर ईक्वेशन्स (समीकरण) लिखेंगे और हमें
बताएँगे की कितनी जल्दी वस्तुएँ टकराती हैं...

यह बढ़िया होगा, है कि नहीं?
हम केक को फिर से उठाएँगे

और इसे रसोईघर में ले जाकर बावरची से पूछेंगे,

और वह बावरची हमें बता सकेगा
की किस प्रकार सामग्री मिलाई गई

और कितनी देर के लिए इसे ओवन में बनाया गया। अब,
ऐसा करने से केक के बारे में

हमने काफी जानकारी ली, और हर विभाग ने
अपनी अपनी भाषा में

केक के विषय मे बताया होगा।
वे अलग अलग बातें होंगी,

पर विपरीत बातें नहीं होंगी
वे संयुक्त सत्य होंगे,

केवल उस भाषा मे जिसका वे प्रयोग कर रहे थे।
परंतु यदि हमें उस व्यक्ति के

बारे में जानना है जिसने केक बनाया
और वह केक क्यों बनाया गया,

तो उन सारे लोगों में से
कोई हमें यह नहीं बता पाएगा।

हम कैसे अधिक जान सकते है
उस व्यक्ति के विषय मे जिसने केक बनाया

और क्यों बनाया?
सच मे, यह तो वह व्यक्ति ही हमें बता सकता है।

© Lee McMunn, 2011

तो आइए देखे, क्या इस केक को बनाने के
लिए ज़िम्मेदार व्यक्ति आज रात

हमारे बीच में है? नहीं, मैं जानता हूँ कि वह आप नहीं है।
मैं जानता हूँ कि वह आप नहीं है

क्या कोई और है जो इस केक को बनाने के लिए
जिम्मेदार है? हाँ, आप के पास बैठा व्यक्ति।

क्या अब मैं आप को पूछ सकता हूँ क्यों
-और यह मेरी बीवी है-तुमने यह केक क्यों बनाया?

विकीः क्योंकि आपने मुझे इसके लिए कहा था
लीः क्योंकि मैंने तुमसे कहा था। ठीक।

तुम मुझे प्यार करती हो या ऐसा तो कोइ कारण नहीं?

क्योंकि मैंने - यह सच है-मैंने इसे कहा था इसके लिए।

अब, अगर आपको केक बनाने वाले के बारे में अधिक
जानना है और यह कि उसने इसे क्यों बनाया,

तो, हमें उसीसे सुनना होगा।

हमारे विश्व के साथ ऐसा ही है।
निर्मित्त चीज़ों के साथ ऐसा ही है।

अगर हम जानना चाहते है की चीज़े
कैसे बनीं, वे कैसे काम करती हैं,

तो वैज्ञानिक हमें इस प्रश्न के बारे में
विभिन्न जवाब देंगे।

परंतु यदि हम जानना चाहते हैं की इसे किसने बनाया
और हम यहाँ क्यों है,

तो हमें परमेशवर से सुनना होगा जिसने
सभी चीज़ों को निर्माण किया।

और इसीलिए यीशु के वचन अच्छे हैं।

जरा सोचिए की आज रात हमने क्या सिखा है,
की यीशु यह दावा करता है कि वह

पूरी तरह से और सम्पूर्णत परमात्मा है।
वह हमारा निर्माता होने का दावा करता है,

© Lee McMunn, 2011

जो इस दुनिया में आया,
और इसलिए जब हम उससे सुनते हैं

तब हम परमेश्वर के बारे में और हमारे यहाँ होने के
बारे में ज्यादा जान सकते है।

और फिर भी, यहाँ एक उत्तम वस्तू है।

जैसा हम आगे सुनेंगे और उस परमेश्वर के विषय मे
अधिक जानेंगे जिसने हमें बनाया

जिस परमेश्वर को हम खोज रहें है वह व्यवस्था का
और उद्देश्य का परमेश्वर है।

तो बजाए इसके, कि मसीहियत
और विज्ञान कट्टर शत्रु हैं,

वे तो वासतव मे, घनिष्ट मित्र हैं।
क्योंकि जिस परमेश्वर से आप बाइबल में मिलते हैं

वह इतना व्यवस्थापूर्ण और उद्देश्यपूर्ण है, की हमें
अपेक्षा करनी चाहिये कि विज्ञान हमें अच्छे नतीजे दे।

सही तरीके से समझें, तो वासतव मे यह विज्ञान का
शत्रु नहीं है,

बाइबल हमें विज्ञान का मूल सिखाता है और हमें
प्रेरित करता है की हम जाएँ और विज्ञान का उपयोग करें।

वह हमें प्रेरित करता है की हम उत्तर जानने के लिए
यीशु के पास आएँ,

पर उस के बाद जाकर दुनिया को देखें यदि हम
देखना चाहें कि दुनिया कैसे कार्य करती है।

तो मसीहियत और विज्ञान शत्रु हैं
या मित्र? सही तरह से समझा जाए तो,

विज्ञान और मसीहियत घनिष्ट मित्र है।

अच्छा, अब हम कुछ समय के लिए
अपने टेबल पर लौटेंगे।

यह बढ़िया होगा अगर आप चाहें तो आज के हमारे
अध्ययन के बारे में आपस में बातें करें,

© Lee McMunn, 2011

और जब साढ़े नौ बज जाएं
तब मैं आपको बता दूंगा।

Identity – Who is God? Who are we?

© Lee McMunn, 2011

All rights reserved. Except as may be permitted by the Copyright Act, no part of this publication may be reproduced in any form or by any means without prior permission from the publisher.

Published by 10Publishing, a division of 10ofThose Limited.

All Hindi scripture quotations are taken from Hindi-O.V. © The Bible Society of India.

10Publishing, a division of 10ofthose.com
Unit 19 Common Bank Industrial Estate, Ackhurst Road, Chorley, PR7 1NH, England.
Email: info@10ofthose.com
Website: www.10ofthose.com